हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

रजनी मरावी बनीं नगर परिषद भुआबिछिया की अध्यक्ष

भुआबिछिया। नगर परिषद भुआबिछिया के अध्यक्ष पद पर वार्ड नं 5 की पार्षद रजनी मरावी को प्रदेश सरकार के नगरीय विकास मंत्रालय भोपाल द्वारा अध्यक्ष नियुक्त किया है। तात्कालीन नगर परिषद अध्यक्ष चित्रा धुर्वे के आकस्मिक निधन के बाद नगर परिषद अध्यक्ष भुआबिछिया के रिक्त पद पर नपा. अधिनियम 1961 की धारा 32 (2) में निहित शक्तियों के तहत श्रीमती रजनी मरावी को आगामी आदेश या अध्यक्ष के निर्वाचन होने तक के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्रीमती मरावी नगर परिषद के अस्तित्व में आने के पूर्व ग्राम पंचायत बिछिया की सरपंच, सहकारी समिति बिछिया की अध्यक्ष सहित सामाजिक क्षैत्र के संगठनों में विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुकी हैं।

मध्यप्रदेश केसरी कुश्ती प्रतियोगिता में दिखाई दी शानदार प्रतिभायें

द्वितीय दिवस पर पहलवानों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

*** आज तीसरे दिन होंगे निर्णायक मुकाबले।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्य प्रदेश भारतीय शैली कुश्ती संघ एवं जिला कुश्ती संघ मंडला के द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश केसरी एवं विभिन्न भार वर्ग चैंपियनशिप कुश्ती प्रतियोगिता के कार्यक्रम की शुरुआत संतोष सोनू भलावी (अध्यक्ष जनपद पंचायत मंडला) एवं अखिलेश कछवाहा (उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंडला) के मुख्य अतिथि में एवं कार्यक्रम के अध्यक्षता जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ के अध्यक्ष गुलाब मर्दरिया के विशेष अभिनंदन से प्रारंभ हुआ। साथ ही मंचाशीन मंडला जिले की कुश्ती के क्षेत्र में राष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाने वाले पूर्व मंडला शेर महादेव पहलवान, प्रदेश महासचिव अर्जुन यादव, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश कछवाहा एवं विभिन्न सामाजिक राजनीतिक एवं खेल के क्षेत्र में विशेष योगदान प्रदान करने वाले अतिथियों का भी आयोजन समिति की ओर से सम्मान किया गया।

मध्यप्रदेश में कुश्ती के क्षेत्र में विभिन्न जिलों के जिला इकाइयों के पदाधिकारीयो का भी अभिनंदन आयोजन समिति के द्वारा किया गया।

द्वितीय दिवस परिणाम कुछ इस प्रकार हैं। 60 किलोग्राम में आकाश गुर्जर जबलपुर ने शिवम कोरव ग्वालियर को, दीपक यादव ने रवि शंकर कटनी को, लखन ठाकुर ने जतिन सिंह सीहोर को, 40 किलोग्राम में अजय चंद्रवंशी छिंदवाड़ा, सावन ठाकुर जबलपुर विजय हुए एवं महिला वर्ग में कशिश वर्मा इंदौर ने गोमती नायक को, अंशुल पटेल जबलपुर ने हर्षिता मुसकोले छिंदवाड़ा को, अनसूया पटेरिया सागर ने रश्मि सूर्यवंशी छिंदवाड़ा को हराकर अपनी भार वर्ग की कुश्ती जीत कर प्रशंसकों का मंत्रमुग्ध कर दिया।

जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ के सचिव किशोर गुप्ता ने बताया कि कल दिनांक 23 मार्च को आयोजन का समापन शाम 4:00 बजे से श्रीमती संपत्तियां उईके (कैबिनेट मंत्री लोग स्वास्थ्य यांत्रकी विभाग मध्य प्रदेश शासन) एवं प्रफुल्ल मिश्रा (अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मंडला) के मुख्य अतिथिय में एंव भूपेंद्र गुप्ता अध्यक्ष जिला कुश्ती संघ मंडला के कार्यक्रम अध्यक्षता में संपन्न किया जावेगा ।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का निःशुल्क चिकित्सा शिविर

*** थाना खटिया अंतर्गत ग्राम पंचायत बारगी में लगाया गया शिविर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

देश कि आंतरिक सुरक्षा एवं नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कि मध्यप्रदेश के जिला मण्डला और बालाघाट में तैनात 148 बटालियन द्वारा सैनिक कार्यवाही से आम जनता के बीच भारत सरकार एवं केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के प्रति सकारात्मक सोच व विश्वास को बढ़ाने हेतु नागरिक कार्यवाही कार्यक्रम का आयोजन किये जाते रहे है। इसी कम में दिनांक 22/03/2025 को विकांत सारंगपाणि, कमाण्डेन्ट-148 बटालियन केरिपु० बल के मार्ग दर्शन में ग्राम पंचायत-बारगी, थाना-खटिया, जिला-मण्डला के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आस-पास के गाँव बारगी, टाटरी, सारा इत्यादि से करीब 450 आम ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा एवं निःशुल्क दवाईयों उपलब्ध कराई गई। इस आयोजन पर 148 बटालियन के०रि०पु० बल के मनोरंजन कुमार, उप कमाण्डेन्ट, डॉ. भाग्यलक्ष्मी एस., चिकित्सा अधिकारी-148 बटालियन के०रि०पु० बल, और निरीक्षक लाल बहादुर थापा, समवाय अधिकारी डी/148 बटालियन के०रि०पु० बल मौजूद रहे साथ ही नागरिक प्रशासन की ओर से डॉ. गिरीश तनवानी, चिकित्सा अधिकारी 'प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, टाटरी, डॉ एम.बी. यादव व अन्य सहायक चिकित्सा कर्मचारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, टाटरी और टाटरी पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक पुनीत वाजपेई भी मौजूद रहे।

इस आयोजन के दौरान ग्राम पंचायत बारगी के सरपंच उपसरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई व सहयोग प्रदान किया।

जल की उपयोगिता एवं महत्व को किया गया साझा

*** जल संरक्षण हेतु दिलाई गई ग्रामवासियों को शपथ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

कल विश्व जल दिवस समारोह के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था मझगांव के तत्वाधान में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिरईडोंगरी में जल संरक्षण हेतु जल शपथ, जल चौपाल, जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप रतनसिंह वरकड़े उपस्थित रहे साथ ही अनिल मेहरा विकासखंड समन्वय नारायणगंज चैन सिंह मरावी (मा. शा. चिरईडोंगरी के प्रधानाध्यापक, नवांकुर संस्था की अध्यक्ष-इंद्रा उइके, परामर्शदाता कृष्ण कुमार झारिया ग्राम प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष/सचिव श्रीमती पार्वती बैरागी/श्रीमती प्रेमवती तुमराची आशा कार्यकर्ता श्रीमती यशोदा कुशराम ग्राम प्रस्फुटन समिति के सदस्यों/B.S.W./M.S.W.(विद्यार्थी) परमू लाल पन्द्रो, भुवनेश्वरी मरावी, नंदू नरेती, गर्जन मरावी, आकाश मरावी, रोहित पनेरिया, वेदप्रकाश बैरागी शामिल रहे। कार्यक्रम में विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण एवं बचाव के बारे में जानकारी दी गई जिसमें जल संरक्षण करने के उपायों को बताया गया एवं जल की उपयोगिता, महत्व को साझा किया गया विश्व जल दिवस एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है जिसे सुरक्षित और स्वच्छ जल तक पहुँच की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। जनसंख्या वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के कारण जल की कमी बढ़ने का अनुमान है एवं जल संरक्षण हेतु नर्मदा तट पर साफ सफाई किया गया एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम कराया गया।

बच्चों को धर्म का ज्ञान बचपन से जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शहर के बड़ी खैरी में संगीतमयी श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की संगीतमयी कथा सुनाई जा रही है। महिला मण्डल बड़ी खैरी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 20 मार्च से 27 मार्च तक किया जा रहा है। कथा के तीसरे दिन की कथा में कथावाचक पं. संतोष शास्त्री ने कहा कि बच्चों को धर्म का ज्ञान बचपन से ही दिया जाना चाहिए है, वह जीवन भर उसका ही स्मरण करता है। बच्चों को धर्म व आध्यात्म का ज्ञान दिया जाना चाहिए। माता-पिता की सेवा व प्रेम के साथ समाज में रहने की प्रेरणा ही धर्म का मूल है। शास्त्रीजी ने कहा कि अच्छे संस्कारों के कारण ही ध्रुव जी को पांच वर्ष की आयु में भगवान का दर्शन प्राप्त हो गया था। कथा के दौरान उन्होंने कई मनमोहक भजन प्रस्तुत किए, जिन पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

आधुनिक भारत की अनेक समस्याओं का समाधान आदिवासी के पास है

मण्डला। शासकीय महाविद्यालय निवास में जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आधुनिक भारत की अनेक समस्याओं का समाधान आदिवासियों के पास है इस विषय पर विस्तृत जानकारी वक्ताओं ने साझा किया, मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष वेद प्रकाश कुलस्ते मुख्य वक्ता (प्रांत संयोजक) सोहन सिंह एवं समाज सेविका श्रीमती फुलवती सहित अन्य वक्ता की गरिमामय उपस्थित रही, कार्यक्रम का संयोजन प्राचार्य डॉ सदन मरावी तथा आयोजन मुकेश चौधरी द्वारा किया गया, इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त आधिकारी कर्मचारी एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही कार्यक्रम का संचालन अरुणिमा शर्मा द्वारा किया गया।

कवि सम्मेलन | पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर हुआ भव्य कवि सम्मेलन।

काव्यांजलि में शामिल हुए देश के ख्याति लब्ध कवि

*** जिले के 25 साहित्यकारों का किया गया सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

माहिष्मती घाट मंडला में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष पर भव्य काव्यांजलि का आयोजन किया गया। जिसमें देश के जाने-माने ख्यातिलब्ध कवियों ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ मां नर्मदा की पंच चौकी आरती के उपरांत भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष सीए अखिलेश जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा, कवि विष्णु सक्सेना ने सरस्वती मां के तेलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। इस अवसर पर जिले के साहित्यकार कवि पत्रकार, समाजसेवी, इतिहासकार एवं विभिन्न राजनैतिक दल के पदाधिकारी, स्थानीय नागरिकगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की स्मृति में आयोजित काव्य प्रस्तुतियों ने देर रात तक स्त्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया देश के जाने मानें कवि वरिष्ठ गीतकार श्री विष्णु सक्सेना, हास्य व्यंग कवि श्री सुदीप भोला, वीर रस के जाने-माने ओजस्वी कवि श्री सुमित ओरछा, श्रंगार रस की कवित्री सुमित्रा सरल ने भारतीय राजनीति, सनातन, सांस्कृतिक परंपरा, युवाओ की प्रेरणा, देशभक्ति, सरहद पर तैनात जवानों के सम्मान सहित अनेक विषयों सहित हास्य, प्रेम, व्यंग और श्रंगार रस की ओजपूर्ण कविताओं की मनमोहक प्रस्तुतियों से पूरे आयोजन में शमां बंधा रहा। काव्यांजलि का यह आयोजन मंडला के इतिहास का यादगार पल बन गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित काव्यांजलि उनकी पुण्य स्मृति में समर्पित है। आज के इस भव्य आयोजन में मण्डला जिले के नागरिकों ने अपनी सहभागिता देकर यादगार व भव्य बना दिया । यह कार्यक्रम जिले की साहित्य सांस्कृतिक एवं युवाओं को प्रेरित व जागृत करने का एक माध्यम बना है। काव्यांजलि कार्यक्रम में जिले के लगभग 25 साहित्यकारों को स्मृति चिन्ह प्रमाण पत्र प्रदान कर मंच से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सरदार पटेल कॉलेज के प्रचार्य श्री आशीष ज्योतिषी द्वारा किया गया।

मानादेही और तिंदनी में आयोजित हुआ जल चौपाल

*** विश्व जल दिवस पर ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण के शपथ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला विकासखंड के ग्राम मानादेही और तिंदनी में विश्व जल दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह अंर्तगत जल चौपाल आयोजित किया गया। जल चौपाल में उपस्थित प्रतिभागियों ने जल संरक्षण के लिए शपथ लिया।आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मंडला, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, मड़ईजर, परम्परागत, जडी-बूटी एवं वैकल्पिक चिकित्सा विकास परिषद एवं अनुसंधान केन्द्र, महाराजपुर और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता और छात्रों ने मिलकर किया।

जल चौपाल में 30 मार्च से 30 जून तक मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण और संवर्धन के प्रति जन जागरूकता, नदियों और जल संरचनाओं का संरक्षण और संवर्धन तथा वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों का पुर्नजीवन और जल संरक्षण के तकनीकों को अपनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया गया।

ग्राम मानादेही के रंगमंच में आयोजित जल चौपाल में विषय विशेषज्ञ गजेन्द्र गुप्ता और संतोष यादव ने जल संरक्षण के उपायों पर चर्चा की। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मंडला विकासखंड समन्वयक संतोष झारिया ने ग्रामीणों से वृक्षारोपण का आव्हान किया। ग्रामीणों ने मानादेही में सिंचाई की समस्या पर अपनी बात रखी। जल चौपाल में सुकरात सिंह पन्द्रो, श्यामवती उइके, शैल कुमारी उइके, संगीता मरावी, सुनील मर्सकोले, दीपक कुमार यादव, शुभम ठाकुर और मनीष मरावी ने अपनी बात रखी।जल चौपाल में उपस्थित सभी लोगों ने जल संरक्षण की शपथ ली।

बोहानी हाई स्कूल के पास खुले मैदान में फेंकी जा रही नॉट फार सेल सहित अन्य प्रकार चिकित्सा सामग्री बन सकती है किसी बड़ी घटना का कारण

गाडरवारा

जहां एक ओर सरकार द्वारा शहरों से लेकर गांव गांव मुहिम चलाते हुये स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि जिस तरह जिम्मेदार लोगों द्वारा ही खुले मैदानों में जिस तरह की सामग्री फैकी जा रही है उसके चलते स्वच्छता अभियान को तो ग्रहण लग ही रहा है तो दूसरी ओर यह सामग्री मूक पशुओं के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से भी नही चूक पायेगी..? मुख्य रूप से देखा जावे तो चिकित्सा से जुडी हुई सामग्री को खुले मैदान में फैकना प्रतिबंधित होता है। वही बताया जाता है कि इसके लिये निर्धारित माप दंडों के आधार पर उपयोग करने के बाद विनष्टिकरण किये जाने के प्रावधान है? मगर देखा जा रहा है कि गांव गांव पैदा हो रहे झोला छाप डाक्टरों द्वारा जहां मरीजों का उपचार करने के लिये शासन के सभी नियमों की अनदेखी करते हुये लोगों की जिन्दगी के साथ खिलावाड रने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर जिस तरह सरकारी चिकित्सालयों में उयोग होने वाली सामग्री के ऊपर स्पष्ट अक्षरों में लिखा होता है कि नॉट फार सेल यानि की यह सामग्री विक्रय के लिये नही है सिर्फ मरीजों के लिये निःशुल्क प्रदान करने के लिये है। मगर इस प्रकार की सामग्री जब उपयोग होने के बाद खुले मैदान में पड़ी हुई दिखाई दे रही है तो निश्चित तौर से शासकीय चिकित्सालयों में मरीजों के लिये निःशुल्क प्रदान की जाने वाली सामग्री में होने वाली गफलबाजी की सच्चाई उजागर होने से नही चूक पा रही है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ ग्राम बोहानी के शासकीय राघव कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मुख्य द्वार के पास पड़ी हुई देखी गई तो लोग हैरत में पड़ने से नही चूक पाये? जिस प्रकार से सड़क किनारे भारी मात्रा में चिकित्सा सामग्री जो उपयोग होने के बाद खाली हुये इजेक्शन, मरीजों को चढ़ाई जाने वाली वाटल व कांज शीशी युक्त एजेक्शन लगाने के लिये उपयोग होने वाली सीरेंज पिन तथा अनेक प्रकार की सीरप की खाली शीशी जिन पर लिखा हुआ था नॉट फार सेल जो भारी मात्रा में सड़क किनारे खुले मैदान में फैका गया है। इस तरह शासकीय विद्यालय के पास समीप खुले मैदान में उपयोग की गई चिकित्सा सामग्री फेकने के चलते बच्चों के साथ साथ मूक पशुओं की जिन्दगी को भी खतरा पैदा करने से नही चूक रही है। यदि इस क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यहां से बोहानी स्वास्थ्य केन्द्र की दूरी अधिक होने के चलते यह बात तो स्पष्ट है कि इस सामग्री को चिकित्सालय द्वारा तो फैकी नही गई होगी? मगर यह बात स्पष्ट है कि जिस जगह पर यह सामग्री फैकी गई है उस स्थान से बोहानी स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ अनेक

कर्मचारियों का क्वाटर काफी नजदीक जरूरी बना है। इस सच्चाई से यह बात उजागर होते हुये जान पड़ रही है कि स्वास्थ्य विभाग की इन क्वाटरों में निवास करने वाली विभाग के ही कर्मचारियों द्वारा ही अपने घरों पर नियमों के विपरित डाक्टरी करते हुये इस सरकारी जो मरीजों को निःशुल्क प्रदान करने के लिये आई हुई नॉट फार सेल अंकित दबाईयों का उपयोग करते हुये पैसा कमाने के लिये उपयोग किया जा रहा है और इस तरह खुले मैदान में फैकते हुये आमजन के साथ साथ मूक पशुओं की जिन्दगी को खतरे में डालने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..? इस प्रकार बोहानी शासकीय स्कूल के समीप भारी मात्रा में फैकी गई चिकित्साल सामग्री जहां सरकार के स्वच्छता अभियान को ग्रहण लगाते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र को प्राप्त होने वाली नॉट फार सेल की दबाईयों को कर्मचारियों द्वारा किस तरह उपयोग किया जा रहा है इसकी पोल खुलने से भी नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर बोहानी शासकीय शिक्षण संस्था के पास इस प्रकार कचरे के रूप में चिकित्सा सामग्री पड़ी होने के चलते निश्चित तौर से एक बड़ी घटना की ओर संकेत देने से नही चूक पा रही है। क्योंकि चिकित्सा विभाग से जुडे हुये लोगों के अनुसार किसी भी चिकित्सा क्षेत्र के कार्य करने वाले व्यक्ति को प्रशासन द्वारा अपने कार्य को पूर्ण करने की अनुमति तभी प्रदान की जाती है जब वह अपनी संस्था से निकलने वाली चिकित्सा संबंधी संपूर्ण सामग्री को निर्धारित स्थल पर रखते हुये उसे बाहर इस तरह के स्थान पर पहुंचाने का प्रमाण पत्र पेश करता है। जहां पर किसी भी प्रकार से आम व्यक्ति की पहुंच से दूर होना चाहिये। इस तरह की सामग्री को एकत्र करने के लिये एक वाहन निर्धारित होता है जो चिकित्सालयों के पास पहुंचकर वहां से निकलने वाले सामग्री को ले जाता है। मगर इस तरह गांव गांव चल रही चोरी छिपे वाले

चिकित्सालयों के संचालको द्वारा शायद ही इस नियम का पालन किया जा रहा हो..? इसी का परिणाम है कि इस तरह चिकित्सा संबंधी सामग्री खुले मैदान में फैली हुई आये दिन दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? इस बात की सच्चाई बोहानी राघव कृषि उ मा विद्यालय के पास इस तरह अवधि समाप्त हो चुकी हुई तथा नाट फार सेल सहित उपयोग की गई दबाईयों के आलवा खाली इंजेक्शन सहित मरीजों को लगाई जान वाली पट्टी के आलवा अन्य प्रकार की सामग्री सड़को के किनारे व शासकीय शिक्षण संस्था के पास पड़ा होना घोर लापरवाही की श्रेणी में आने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि कागजों के साथ फैली गई कांच की बाटल व इंजेक्शन सहित सीरेंज में लगी हुई सुई की पीनों को यदि कोई पशु खा लेता है तो उसका क्या हाल होगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है? वही दूसरी ओर सड़क किरान आमजन के पहुंच वाले क्षेत्रों में इस प्रकार लापरवाही पूर्ण तरीके से फैकी जाने वाली इस सामग्री को यदि सड़क पर घूमते हुये बच्चें भी खिलौना समझकर उठाने से नही चूक सकते है। इस तरह लापरवाही बरतने वाले लोगों के खिलाफ प्रशासन को सख्त कदम उठाते हुये जहां तहां फैकी जा रही चिकित्सा सामग्री पर शीघ्र ही अंकुश लगाना चाहिये।

इस तरह की लाईनों से यदि कोई घटना घटित होती है तो कौन होगा जिम्मेदार...?

सडूमर। जहां एक ओर आये दिन देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवों में किसानों सहित अन्य उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल अदा नही किये जाने के नाम पर जिस प्रकार से बसूली करते हुए उन्हें अपमानित करते हुए जबरन घरों में रखे हुए समान की जप्ती तो की जाती है। मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि जिस तरीके से बिजली विभाग द्वारा बिल बसूरी का तरीका अपनाया जाता है क्या उस तरीके से लोगों को बिजली उपलब्ध कराये जाने के साथ साथ उन्हें बिजली तारों से होने वाली घटनाओं की क्षति का सहयोग प्राप्त किया जाता है? क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवो के साथ साथ किसानों के खेतों में बिजली सप्लाई हेतु जो बिजली लाईने खीची गई है उनका वर्षो से सुधार कार्य नही किये जाने तथा उनका रख रखाब नही होने के कारण जहां तारों ने झूला का रूप धारण कर लिया गया है और आये दिन देखा जाता है कि जब हवा चलती है तो यह झूलते हुए तार एक दूसरे से टकरा जाने के कारण चिंगारी छोडते है जिसके चलते जहां गांवों में किसी बड़ी घटना घटित होने की आंशका बनी रहती है? वही दूसरी ओर अनेको बार तो देखा जाता है कि किसानों के खेतो से निकली हुई बिजली लाईनों से निकलने वाली चिंगारी के चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले भी जलकर खाक होने से नही बच पाती है। इस स्थिति में शायद ही बिजली विभाग द्वारा किसी किसान को आज तक कोई सहयोग के रूप में राशि उपलब्ध कराई गई हो? मगर सिर्फ किसान द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली बिलों की बसूली के नाम पर जरूर किसानों को परेशान किया जाता रहता है, इतना ही नही गांवों में निकली हुई बिजली लाईन की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि आये दिन उसमें चिंगारी देखने मिलती, मगर इस ओर न तो बिजली विभाग ध्यान देता है और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जिसके चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ने के साथ साथ क्षेत्र के किसानों को हर वर्ष भारी क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है।

योजनाओं से वंचित दिखाई दे रहे ग्रामीण क्षेत्रों के कृषक, अधिकारी नही देते है ध्यान?

सडूमर। वैसे देखा जावे तो सरकारों ने कृषकों के लिए अनेक लाभ कारी योजानायें तैयार की है और कृषको के हित ओर संरक्षण का दावा समय समय पर किया जाता है। लेकिन यह एक सोचनीय पहलू है कि इन योजनाओ का लाभ कृषको तक पहुंचने के पहले ही खत्म हो जाती है? जिसके चलते ऐसा लगता है कि कृषको के हित संरक्षण हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता बढ़ती जा रही? ज्ञातव्य है कि सरकार ने कृषको की सहायता मार्ग दर्शन तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए उन्नत तकनीको से अवगत कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग बनाया है। लेकिन ग्रामीण अंचलों में कृषकों को विभाग द्वारा जानकारी सुलभ नही कराई जा रही है, जिससे समसमायिक जानकारी कृषकों को नही मिलती है, कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण शासन की अनेक लाभकारी योजनाओं का लाभ कृषकों को नही मिल पा रहा है, जिससे उनकी कृषि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, क्षेत्र के कुछ रोषित कृषको ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ साधन सम्पन्न कृषकों को दिया जाता है, जिससे गरीब कृषक शासन की योजनाओं से वंचित रह जातें है, पूर्व में भी अनेको बार जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियो को ध्यान कृषि विभाग के अधिकारियों की मनमानी कार्यप्रणाली की ओर आकर्षित किया गया था, जिस पर कुछ दिन तो विभागीय अधिकारी चोकन्ने हुए किन्तु धीरे धीरे पुनः उसी चाल में आ गये है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के आकाशवाणी केन्द्रों से ग्राम सभा कार्यक्रम में कृषि से संबंधित जानकारियां ग्रामीणजनो को दी जा रही है, जिसमें इन जानकारियों में सिंचित गेंहू की अधिक पैदावार लेने से गुड, फसल बीमा, जैविक फसल व रबी फसलो का कीटों से बचाव गोबर गैस आदि विषयों की सूक्ष्म जानकारी दी जाती है, गौरतलब है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति ग्रामीण कृषि विस्तार अंचलों में हुई है, परंतु यदि गणना की जाये तो पता चलता है कि अधिकतर अधिकारी अपने मुख्यालय को छोड़ समीपस्थ कस्बो व नगरों में निवास कर रहे है,

महाविद्यालय फीस घोटाले का एक आरोपी और आया पुलिस की गिरफ्त में

गाडरवारा। स्थानीय महाविद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्रा छात्राओं के प्रवेश तथा छात्रवृति फीस के फार्म भरने के दौरान जिस तरह घोटाले की सच्चाई को मीडिया द्वारा उजागर किये जाने के बाद पुलिस हरकते में आते ही जब मामले की जांच शुरू की गई तो प्रथम रूप से यह बात सामने आई कि महाविद्यालय के समीप ही साईबर कैपे संचालित करने वाला वैभव जैन द्वारा छात्र छात्राओं से फीस लेते हुये महाविद्यालय के शासकीय खाते में मात्र एक रूपया जमा करते हुये शेष राशि हड़प ली गई जिसके चलते जहां दो लाख से अधिक राशि की गवन होने से पुलिस द्वारा साईबर कैपे संचालक वैभव जैन के खिलाफ मामला कायम करते हुये पहले ही गिरप्तार करते हुये इस बात का भरोसा दिलाया गया था कि मामले में यदि अन्य आरोपी शामिल है तो उन्हे भी नही छोड़ा जावेगा। क्योंकि इस तरह इतना बड़ा घोटाला हो जावे और महाविद्यालय से जुड़ा हुआ कोई कर्मचारी शामिल न हो ऐसा नही हो सकता है? यह संदेह सत्य साबित हुआ और पुलिस ने इस मामले में एक ओरापी को और गिरप्ता करने में सफलता हासिल की गई है। इस संबंध में पुलिस द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि महाविद्यालय प्राचार्य प्रार्थी अखिलेश जैन पिता रतन चंद्र जैन प्राचार्य, पी.जी. कॉलेज, गाडरवारा की रिपोर्ट पर थाना गाडरवारा में आरोपी वैभव जैन पिता बसंत जैन, उम्र 32 वर्ष, निवासी शिवाजी वार्ड, गाडरवारा के खिलाफ मामला कायम करते हुये गिरप्तार करने के साथ विवेचना में लिया गया था। इस मामले में जब आरोपी वैभव जैन को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा था जो वर्तमान में आरोपी वैभव जैन,केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में निरूद्ध है। इसी कड़ी में आरोपी वैभव जैन से पूछताछ करने पर यह बात सामने आई पाये गये साक्ष्यों के आधार पर पी.जी.कॉलेज गाडरवारा के छात्रवृत्ति एवं शुल्क लिपिक वीरेन्द्र कुमार पवार पिता राम भरोसे पवार उम्र 36 वर्ष निवासी खनूजा कॉलोनी गाडरवारा को धोखाधड़ी एवं अपराध में सहयोग प्रदान किया गया है। इसी के चलते बीते हुये दिवस दूसरे आरोपी यानि की लिपिक वीरेन्द्र पावर को भी पुलिस द्वारा गिरप्तार करते हुये मा न्यायालय ज्यूडिशियल रिमाँड पर प्रस्तुत किया है जेल भेजा गया। वही इस मामले की आगे की जांच जारी होने से संभावना लग रही है कि शायद कुछ सच्चाई और सामने आ सकती है...?

नन्ही सी छात्रा राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलम्पियाड में सम्मानित होकर किया शहर का नाम रोशन

गाडरवारा

कहा जाता है कि बच्चों के अंदर जिस तरह की प्रतिभा छिपी होती है यदि उसे समय पर उभरने का अवसर मिल जावे तो उस प्रतिभा में चार चांद लगने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर की एक नन्ही सी छात्रा में देखने मिली है। बताया जाता है कि नगर के शासकीय पूर्व कन्या माध्यमिक शाला में अध्ययनरत कक्षा 7 वी की छात्रा कुमारी शताक्षी कतिया ने भोपाल के डाइट में आयोजित राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलम्पियाड में भाग लेते हुये दूसरा स्थान हासिल कर विद्यालय के साथ जिले व नगर गाडरवारा को गौरवान्वित किया है। छात्रा की इस उपलब्धि पर उन्हें अतिथियों ने सिल्वर मैडल, साईकिल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की मार्गदर्शी शिक्षिका सपना बसेड़िया को भी ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि आयोजन में इस विद्यालय से कक्षा 8 वी की छात्रा कोमल प्रीत कौर ने भी जिले के बच्चों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ सहभागिता की थी। नगर का नाम रोशन करने वाली बेटी शताक्षी स्थानीय निरंजन वार्ड निवासी सुनील कतिया की पुत्री है। बीते हुये शुक्रवार की रात जनशताब्दी एक्सप्रेस से दोनों छात्राओं के आगमन पर स्टेशन पर बीआरसी संदीप स्थापक, प्रधान पाठक रजनीश गुप्ता, बीएसी पवन राजोरिया सहित शिक्षक संदर्भ समूह के जिला समन्वयक सिराज अहमद सिद्धिकी, मधुसूदन पटैल, राजेंद्र गुप्ता, कमलेश कोरी, सुरेन्द्र पटैल एवं लिपिक अमित पटैल ने छात्रा के नगर वापसी पर स्वागत किया गया।

तीन दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग प्रवचन संत सम्मेलन का आयोजन आज से

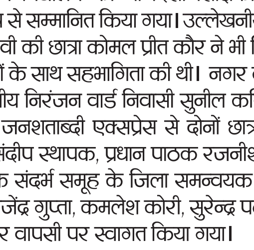

गाडरवारा। नगर सहित क्षेत्र में चल रहे धार्मिक आयोजन की धूम मची हुई देखी जा रही है। इसी क्रम में संगीत में आध्यात्मिक सत्संग प्रवचन, श्री राम कथा तथा श्री गीता जी सहित श्रीमद् भागवत महापुराण वेद पुराणों का सार यथार्थ तत्व ज्ञान एवं दिव्या संत संगम का आयोजन नगर के आनंद भवन में आज 23 मार्च दिन रविवार से 25 मार्च दिन मंगलवार तक तीन दिवसीय संत सम्मेलन किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस आयोजन में सदगुरुदेव सतपाल महाराज के संत हरिद्वार से पधारे हुए महात्मा सौम्यानंद महात्मा सहित साध्वी सुश्री सुजाता बाई, महात्मा साध्वी सुश्री महादेवी बाई के साथ अन्य साध्वी महात्मा गढ़ जो हरिद्वार से पधार रहे हैं जिनके द्वारा नगर गाडरवारा में श्री राम कथा, श्री गीता जी व श्रीमद् भागवत महापुराण वेद उपनिषद में सर्वव्यापक परमात्मा के सत्य नाम आत्मज्ञान तत्वज्ञान सार यथार्थ प्रवचनों का आयोजन किया जा रहा है।

आजीवन परिक्रमा वासी संत शिवानंद महाराज के सानिध्य में चल रही शिव पुराण में उमड़ रही भीड

सांईखेड़ा। दादाजी धूनी वालों की नगरी साईखेड़ा में इस समय चल रहे 21 दिवसीय महायज्ञ में में बीते हुये दिवस कथा वाचक द्वारा शिव पुराण कथा में बताया गया कि शिव पुराण कथा में कुल 7 भाग संहिता है। इन संहिताओं में शिव पुराण पाठ के नियम, विधि और पुराण पाठ के लाभ सहित शिव लीला की कथाएं हैं। इनके पाठ से शिव भक्त लोक और परलोक दोनों ही जगह सुख पाते हैं। शिव पुराण 18 पुराणों में से एक है जिसमें भगवान शिव की लीला कथाओं और इनकी पूजा विधि सहित शिवलिंग की उत्पत्ति और शिव भक्ति से संबंधित कथाएं हैं। शिव पुराण का पाठ आप कभी भी शुभ मुहूर्त में आयोजन कर सकते हैं। लेकिन सावन के महीने में शिव पुराण को पढना और सुनना बहुत ही पुण्यदायी होता है। शिव पुराण में चंचला और उसके पति बिंदुग की कथा मिलती है। जिन्होंने शिव पुराण के श्रवण से शिवलोक में स्थान पाया। इन्हीं की कथाओं में शिव पुराण के महत्व का वर्णन भी मिलता है। साथ ही महर्षि व्यासजी के शिष्य सूतजी बताते हैं कि किस प्रकार से शिव पुराण का श्रवण करना चाहिए और इसे सुनने वालों को किन-किन नियमों का पालन करना चाहिए शिव पुराण सुनने वालों के लिए जरूरी नियम शिव पुराण का आयोजन जब भी करें तो संभव हो तो सभी मित्रों कुटुंबों और जो भी इसे सुनने की इच्छा रखते हैं। उन्हें इसकी सूचना दे दें ताकि वह भी इसके श्रवन का लाभ ले पाएं। महाराज जी ने बताया कि शिव पुराण कथा श्रवण से पहले यह संकल्प करें कि आप ध्यान पूर्वक कथा का श्रवण करेंगे और मन को शिवजी की में लगाए रखने का प्रयास करेंगे। जब तक शिव पुराण का पाठ हर दिन समाप्त न हो जाए तब तक निराहार रहकर कथा का श्रवण करना चाहिए।

अकुशल मजदूरों को 11 के व्ही बिजली लाईन पर चढ़ाकर काम करने के दौरान करेन्ट से हुई मौत

मृतक के परिजनों सहित क्षेत्र में लोगों में देखने रोष..

गाडरवारा। बिजली विभाग में निर्माण कार्यो के दौरान निजी ठेकेदारों द्वारा जिस तरह मजबूरों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ किया जा रहा है उस ओर न तो बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही अन्य प्रशासन के जिम्मेदारों द्वारा जिसके चलते मजदूरों बेमौत मरते हुये देखे जा रहे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये वर्ष यानि की अप्रेल 2024 में इस तरह बगैर सुरक्षा प्रबंधों के एक ठेकेदार द्वारा जिस तरह 11 के व्ही लाईन के खम्बों पर चढ़ाते हुये मजदूरों से काम कराया जा रहा है उसके चलते करेन्ट लगने के कारण जहां कुछ मजदूर घायल होने से नही चूक पाये था तो दूसरी घटना बीते हुये फरवरी माह यानि की 10 फरवरी को गाडरवारा से जमाड़ा की ओर जाने वाले मार्ग की लाईन सिप्ट करने के लिये एक निजी ठेकेदार द्वारा गरीब मजदूर को 11 के व्ही लाईन पर चढ़ाते हुये काम कराये जाने के कारण करेन्ट लगने से उस गरीम मजदूर की मौके पर ही मौत होने से नही बच पाई थी। इस तरह बीते हुये दो घटनाओं के उपरांत अनुमान लग रहा था कि शायद अब बिजली विभाग से लेकर ठेकेदारों की कार्यप्रणाली में गरीबों की जिन्दगी के प्रति कुछ सहान भूति देखने मिलेगी। मगर बीते हुये शनिवार को जिस तरह बगैर किसी सुरक्षा प्रबंधों के ग्राम कठौतिया पास एक निजी ठेकेदार द्वारा अकुशल मजदूर को बगैर सुरक्षा संबंधी साधनों के ही जिस तरह 11 के व्ही लाईन पर चढ़ाते हुये काम किया जा रहा था उसी दौरान अचानक बिजली लाईन चालू होने से मजदूर की करेन्ट लगते ही मौके पर मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि ग्राम कठौतिया निवासी प्रेम नारायण पिता बालाराम कौरव उम्र लगभग 37 साल को किसी बिजली विभाग के लाईन मेन से बुलाते हुये निजी ठेकेदार के सुपुर्द किया गया था। इस तरह ठेकेदार द्वारा बगैर किसी सुरक्षा साधनों के ही एक गरीब अकुशल मजदूर को 11 के व्ही लाईन पर काम करने के लिये चढ़ा दिया गया जिसके चलते उसकी करेन्ट लगने से मौत हो गई। इस तरह बिजली विभाग के ठेकेदारों द्वारा जिस तरह से गरीबों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ की जा रही है उसके चलते क्षेत्र के लोगों में जहां आक्रोश देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर जब परिजन मृतक के शव को लेकर शासकीय चिकित्सालय पहुंचे तो शाम होने के कारण मृतक के शव को सुरक्षा के हिसाब से पोस्ट मार्टम भवन में रखा गया है। वही आगे की कार्यवाही आज की जावेगी। बताया जाता है कि गरीब मजदूर की मौत को लेकर परिजन सहित क्षेत्र के लोगों में लगातार बढ़ रहे आक्रोश के चलते पुलिस प्रशासन भी अलर्ट स्थिति में दिखाई देने से नही चूक रहा है...? इस सच्चाई को लेकर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस तरह बगैर सुरक्षा प्रबंधों के बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा किस तरह अपनी बिजली लाईनों पर अकुशल लोगों को कार्य करने की अनुमति प्रदान की जा रही है। जिसके चलते गरीब मजदूरों की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूक रही है। इस तरह एक मजदूर की जान चली जाने के चलते उसके मासूम बच्चों के अनाथ होने का आखिर जिम्मेदार कौन है...?

नगर में बह रही विकास की गंगा में क्या कहीं इस नाले को डुबकी लगाने का मिल पायेगा सौभाग्य

गाडरवारा। कहने को तो नगर पालिका द्वारा नगर के अनेक विकास कार्य कराते हुये शहर की सूरत को बदलने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है।मगर देखा जा रहा हे कि नगर में जहां विकास कार्यो की जरूरत है वहां पर निर्माण कार्य नही होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है..? इस बात की सच्चाई इस समय नगर के पुलिस थाने के पीछे यानि की टेलीफोन कालोनी के सामने वाले क्षेत्र में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि नगर के पूर्व का राजेन्द्र बाबू वार्ड शायद वर्तमान में यह महाराणा प्रताप वार्ड में शामिल हो गया है? जो पुलिस कालोनी से जाने वाले सांई आशीष गार्डन के पीछे से लेकर सुनील टेंट वालो के मकान के पीछे तक कच्चा नाला कई वर्षो से निर्माण कार्य की अपेक्षा कर रहा है। यहां पर पूर्व में रहे वार्ड पार्षद सहित वहां के निवासियों ने भी विगत कई वर्ष पूर्व से उस समय रहे नपा के जनप्रतिनिधियों सहित नगर पालिका परिषद से इस नाले के निर्माण को लेकर कई बार गुहार लगाई गई है और वार्ड के लोगों द्वारा अनेकों पर अधिकारियों को जनसुनबाई के दौरान भी उनकी परेशानी से अवगत कराया जा चुका है। परंतु उस नाले का निर्माण कार्य नहीं हो सका, जिसके कारण वहां पर बने कच्चे नाले में बेइंतहा गंदगी फैलने के कारण यहां पर निवास करने वाले लोगों को अनेक प्रकार की बीमारी जकड़ रही है तो दूसरी ओर अन्य परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है..? इतना ही नही विगत वर्ष बरसात के मौसम में पानी भरने के कारण अनेक लोगों के घरों में पानी भर चुका है। मगर इसके बाद भी बारिश के दौरान तो नपा सहित अन्य अधिकारियों द्वारा इस नाले के निर्माण की बात कही जाती है। मगर गुहार लगाते हुए यहां के लोगों को वर्षो का समय बीच जाने के बाद भी मगर इस नाले का निर्माण आज तक नही हो पाया है। और अनुमान लग रहा है कि इसके बाद भी नगर पालिका द्वारा शायद इस नाले के निर्माण को लेकर अभी तक किसी भी प्रकार से कार्य में दिल चस्पी नहीं ली जा रही है, जिसके कारण नाले का निर्माण नही हो पा रहा है और लोगों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है। वही बताया जाता है कि कुछ वर्षो पहले इस नाले के निर्माण को लेकर यहां पर निवास करने वाले एक अधिवक्ता जी द्वारा नाले के निर्माण के संदर्भ में विगत कुछ वर्ष पूर्व न्यायालय की शरण तक ली थी तब नपा ने जबाब दिया था कि जल्द इसका निर्माण किया जायेगा इसके टेंडर की प्रक्रिया चल रही है..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि इसके बाद भी आज तक किसी प्रकार से निर्माण कार्य शुरू नही हो पाया है? वही गौर करने वाली बात तो यह भी है कि जब यदि उक्त नाले के निर्माण के टेंडर हो गए है तो निर्माण कार्य क्यों प्रारंभ नहीं किया गया जो आज भी चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसा नही है कि नगर पालिका द्वारा नगर के विकास के लिये कुछ नही किया जा रहा है लगातार विकास करते हुये करोड़ो रूपया खर्च किये जाने के बाद भी इस नाले के निर्माण की सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना समझ से परे जान पड़ रहा है?

महिलाओं ने बडे ही श्रद्वा के साथ की माँ शीतला माता की पूजन, ठंडी सामग्री से लगाया भोग

गाडरवारा। वैसे तो सनातन धर्म में सभी पर्व बडे ही धूमधाम के साथ मनाये जाते है। इसी प्रकार से बीते हुये शनिवार को महिलाओं ने माँ शितला अष्टमी बडे ही श्रद्वा के साथ मनाते हुये माँ शितला जी को ठंडी सामग्री का भोग लगाते हुये पूजन अर्चन किया गया। माँ शितला सप्तमी व अष्टमी वर्ष मे दो बार मनाई जाती है। चैत्र मास तथा भाद्रपद मास मे को शितला सप्तमी का पावन त्योहार मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर माँ शितला जी को ठंडा अतिप्रिय है। अतः माँ शीतला के पावन पर्व पर ठंडी सामग्री का भोग लगाया जाता है और पूजन करने वालों का पूरा परिवार भी ठंडा खाना खाता है। वही माँ शितला जी की कथा के अनुसार बताया जाता है कि एक बार माँ शीतला माता ने सोचा कि चलो आज देखु कि धरती पर मेरी पूजा कौन करता है कौन मुझे मानता है। यही सोचकर शीतला माता धरती पर आई और देखा कि यहां तो मेरा मंदिर भी नही है। ना मेरी पुजा है तो माता शीतला गाँव कि गलियो में घूम रही थी तभी एक मकान के ऊपर से किसी ने चावल का उवला पानी (मांड) निचे फेका वह उवलता पानी शीतला माता के ऊपर गिरा जिससे शीतला माता के शरीर में (छाले) फफोले पड गये। जिससे शीतला माता के पुरे शरीर में जलन होने लगी। इस दौरान शीतला माता गाँव में इधर उधर भाग भाग के चिल्लाने लगी। अरे में जल गई मेरा शरीर तप रहा है जल रहा हे कोई मेरी मदद करो। लेकिन उस गाँव में किसी ने शीतला माता कि मदद नही कि तभी अपने घर बहार एक कुम्हारन (महिला) बैठी थी। उस कुम्हारन ने देखा कि अरे यह बुडी माई तो बहुत जल गई इसके पुरे शरीर में तपन है इसके पुरे शरीर में (छाले) फफोले पड़ गये है। यह तपन सहन नही कर पा रही है। तब उस कुम्हारन ने कहा है माँ तू यहाँ आकार बैठ जा में तेरे शरीर के ऊपर ठंडा पानी डालती हूं। कुम्हारन ने उस बुडी माई पर खुब ठंडा पानी डाला और बोली हे माँ मेरे घर में रात कि बनी हुई कुछ खाने की सामग्री रखी है। थोड़ा दही भी है तो ठंडी (जुवार) के आटे कि रावडी और दही खाया। इससे शरीर में ठंडाई मिली तब उस कुम्हारन ने कहा आ माँ बैठ जा तेरे सिर के बाल बिखरे हे ला में तेरी चोटी गुथ देती हूं और कुम्हारन माई कि चोटी गूथने हेतु (कंगी) कागसी बालो में करती रही थी। अचानक कुम्हारन कि नजर उस बुडी माई के सिर के पिछे पड़ी तो कुम्हारन ने देखा कि एक आँख वालो के अंदर छुपी है। यह देखकर वह कुम्हारन डर के मारे घबराकर भागने लगी तभी उस बुडी माई ने कहा रुक जा बेटी तु डर मत में कोई भूत प्रेत नही हूं। मै शीतला देवी हू में तो इस घरती पर देखने आई थी कि मुझे कौन मानता है। कौन मेरी पूजा करता है इतना कह कर माता चारभुजा वाली हीरे जवाहरात के आभूषण पहने सिर पर स्वर्ण मुकुट धारण किये अपने असली रुप में प्रगट हो गई। माता के दर्शन कर कुम्हारन सोचने लगी कि अब में गरीब इस माता को कहा बिठाऊ। तब शीतला माता बोली हे बेटी तू किस सोच मे पड गई तो उस कुम्हारन ने हाथ जोड़कर आँखो में आसू बहाते हुए कहा कि है माँ मेरे घर में तो चारो तरफ दरिद्रता है बिखरी हुई है। में आपको कहा बेठाऊ मेरे घर में ना तो चौकी है ना बैठने का आसन तब शीतला माता प्रसन्न होकर उस कुम्हारन के घर पर खड़े हुए गधे पर बैठ कर एक हाथ में झाड़ू दूसरे हाथ में डलिया लेकर उस कुम्हारन के घर कि दरिद्रता को झाड़कर डलिया में भरकर फेक दिया और उस कुम्हारन से कहा है बेटी में तेरी सच्ची भक्ति से प्रसन्न हूं। अब तुझे जो भी चाहिये मुझसे वरदान मांग ले तब कुम्हारन ने हाथ जोड़ कर कहा है माता मेरी इच्छा है अब आप इसी गाँव मे स्थापित होकर यही रहो और जिस प्रकार आपने आपने मेरे घर कि दरिद्रता को अपनी झाडू से साफ़ कर दूर किया है। ऐसे ही आपको जो भी शितला सप्तमी को भक्ति भाव से पूजा कर आपकी ठंडा जल दही व वासी ठंडा भोजन चडाये उसके घर कि दरिद्रता को साफ़ करना और आपकी पूजा करने वाली नारी जाति (महिला) का अखंड सुहाग रखना, उसकी गोद हमेशा भरी रखना साथ ही जो पुरुष शीतला सप्तमी व अष्टमी को नाई के यहा बाल ना कटवाये धोबी को कपड़े धुलने ना दे और पुरुष भी आप पर ठंडा जल चडाकर नरियल फूल चडाकर परिवार सहित ठंडा वासी भोजन करे उसके काम धंधे व्यापार में कभी दरिद्रता ना आये तब माता बोली तथा अस्तु..। है बेटी जो तुने वरदान मांगे में सब तुझे देती हूं। तभी से महिलाये माँ शीतला जी की सप्तमी व अष्टमी के मौके पर पूजन करती है।

पढ़ लिखकर रोजगार के अभाव में युवा अपने आपकों परिजनों के प्रति महसूस कर रहे बोझ..?

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। नौजवानो में कुछ नया करने का जज्बा और समाज में बदलाव लाने की ताकत होती है,किन्तु जब उन्हे सम्मान,कोई काम नही मिलता है तो उम्मीदों से भरी उनकी ऑखो की चमक गायब होने लगती है और उनकी सक्रियता खत्म होने से वे परिवार पर बोझ बनने के साथ ही कुंठित होने लगते है। बदनसीबी की बात है कि शहर व क्षेत्र के गांवो में इन दिनों महॅगाई के अलावा युवाओं की बेरोजगारी की समस्या आमलोंगो को परेशान कर रही है। बताया गया है कि क्षेत्र में कालेजों से डिग्रियॉ लेने वाले हजारों युवा लम्बे अरसे से बेरोजगारी का दंश झेल रहे है, हालत यह है कि जिला रोजगार कार्यालय में वर्षो से पंजीयन कराने के बाद भी उन्हे ऐसी छोटी नौकरी भी नही मिल पा रही है,जिसके सहारे वे अपने घरो में खुशिया बिखरा सके , शहर के हालात पर यदि नजर डाली जाए तो यह सच्चाई उभरकर सामने आने लगी है कि शहरों में चलने वाले कोचिंग सेन्टरो, महाविद्यालय, स्कूलो, सायवर कैफो से किताबी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर हर वर्ष हजारों की तादाद में युवा निकलते है, पर वह प्रतिभा वान होने के बावजूद उनको नौकरी की तलाश में दर दर भटकना पड़ता है, इनमें से कुछ नौजवान अनचाहा धंधा करने लगते हैं और कुछ शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं के फैले शोषण के जाल में उलझ कम तनख्वाह लेकर बच्चों को पढ़ानें लगते है और बहुत से बेरोजगार युवा ऐसे भी होते है

खबर संक्षेप

जंगली सुअरों के आतंक से परेशान किसान, गेहूं की फसल को कर रहे बर्बाद

अनूपपुर। नगर परिषद बरगवां अमलाई के वार्ड क्रमांक 1 में जंगली सूअरों का आतंक किसानों के लिए अभिशाप बन गया है। इन जंगली जानवरों के झुंड रात के अंधेरे में खेतों में घुसकर गेहूं की फसलों को नष्ट कर रहे हैं, जिससे किसानों की मेहनत और आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। किसान द्वारा पशुओं एवं वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए लगाई गई जाली नुमा फेंसिंग भी इन सूअरों को रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। किसान का कहना है कि उनकी शिकायतों के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा, स्थानीय किसान के अनुसार, जंगली सूअर रात के समय बड़े झुंडों में खेतों में घुस आते हैं और गेहूं की फसलों को रौंदकर बर्बाद कर देते हैं। उनका कहना है कि हम दिनभर खेतों में मेहनत करते हैं, लेकिन रात होते ही ये सूअर सब कुछ नष्ट कर देते हैं। उन्होंने बताया कि इस साल उनकी फसल का बड़ा हिस्सा पहले ही नष्ट हो चुका है, और अगर यही स्थिति रही तो उनकी आर्थिक हालत और खराब हो जाएगी। किसानों ने इस समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और वन विभाग को सूचित किया है, लेकिन उनकी शिकायतें कागजों तक ही सीमित रह गई हैं। किसानों का कहना है कि प्रशासन की ओर से केवल खानापूर्ति की जा रही है, और उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। सरकार ने वन्यजीवों से फसलों की सुरक्षा के लिए सहायता और मुआवजे की बात तो करती है, लेकिन किसानों का कहना है कि यह मदद नाकाफी और अप्रभावी है। अगर मुआवजा मिलता भी है, तो वह इतना कम होता है कि उससे नुकसान की भरपाई नहीं हो पाती। हमारी पूरी फसल बर्बाद हो रही है, और हमें सिर्फ आश्वासनों के सिवा कुछ नहीं मिलता। किसानों का यह भी आरोप है कि मुआवजे की प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी है कि कई बार उन्हें समय पर मदद नहीं मिल पाती।

करनपठार पुलिस ने अपराध कायमी के पूर्व किया दस्तयाब

राजेन्द्रग्राम। करनपठार पुलिस के द्वारा काल्पनिक नाम पुष्पकली देवी पिता लालन सिंह मरावी उम्र 17 वर्ष निवासी ग्राम कण्डी कापा थाना करनपठार को अपराध कायमी के पूर्व दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के मार्गदर्शन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत निरी. पी. सी कोल थाना प्रभारी थाना करनपठार नेतृत्व में हमराह प्र.आर. मोहन सिंह धुर्वे, आर. मनोज कुशवाहा, विनोद कुमार, म.आर. राखी मरापे, शशि गोड थाना करनपठार के द्वारा सूचना कर्ता के सूचना दर्ज करने से पूर्व जिला डिण्डौरी तरफ पता तलाश किया जो ग्राम सुनियामार जिला डिण्डौरी में काल्पनिक नाम पुष्पकली देवी के सगे संबधियो के घर से दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया।

नगर परिषद में स्वच्छता अभियान पर लगा ग्रहण

डिंडोरी जिला के शहपुरा नगर में इन दिनों अंधेर नगरी चौपट राजा वाली कहावत सही होती नजर आ रही है नगर के ज्यादातर वार्ड में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, तो वही लोगों द्वारा की जा रही सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें भी नगर परिषद के आला अधिकारियों द्वारा नहीं सुनी जा रही है।

शहपुरा

नगर में सफाई को लेकर एक और जहां नगर परिषद बड़े-बड़े दावे करती है, तो वही जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर में सफाई पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन स्थिति कुछ और ही बयां करती है। जिसके चलते नगर में जगह-जगह गंदगी पसरी हुई है। हालात यह है कि आधा दर्जन वार्ड में गंदगी भरी पड़ी हैं। जिन्हें वार्डवासियों कि शिकायतों के बाद भी नहीं हटाया जा रहा हैं। ऐसे में रहवासी गंदगी भरे स्थानों से परेशान हो रहे हैं। नगर के मुख्य बाजार पुराना स्टेट बैंक के सामने द्वारका स्टेन्सरी के आस पास के दुकानदारों का कहना है कि नगर परिषद शहपुरा में गंदा कचरा सुबह से लेकर शाम तक सड़कों पर ही पड़ा रहता है फिर कई बार कहने पर गंदा कचरा उठाकर ले जाते हैं दुकान के सामने कचरा पड़े होने से हमें हमारे व्यापार में भी दिन भर में काफी समस्या आती है।

बदबू के कारण नहीं आ रहे ग्राहक

नगर में रहने वाले विजय अग्रवाल ने बताया कि मैं सैकड़ों बार नगर परिषद को मेरी दुकान के बाजू में स्थित नाली में जमा गंदगी को लेकर कई बार शिकायत कर चुका हूं, लेकिन नगर परिषद के आला कर्मचारी और अधिकारी व्याप्त गंदगी की सफाई करने की जगह इस और कोई देखने तक नहीं आता। इससे नाली में जमा गंदगी की स्थिति जस की तस बनी हुई है। नाली में व्याप्त गंदगी की वजह से पिछले 1 साल से हम व्यापारियों की व्यापार में गहरा प्रभाव पडा है साथ ही हमारे स्वास्थ्य पर भी हानि पहुंच रही है क्योंकि यहां सब्जी के कचरे भरी गंदगी से इतनी भयंकर बदबू आती है कि ग्राहक दुकान पर खड़ा नहीं रह पाता और वह बिना सामान लिए ही चला जाता है।

कई माह से झेल रहे परेशानी

पुराना स्टेट बैंक के सामने वाली मुख्य सड़क पर कई महीनों से सब्जियों का कचरा और गीला कचरा यहां फेंक दिए जाते हैं जिसके कारण यहां पर गंदगी और बदबू से लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है इसके साथ यहां पेशाब घर भी बनी है किसका मल मूत्र सड़क में बह कर आ रहा है जिससे कीचड़ की स्थिति बनी हुई है, जिस कारण रहवासी काफी परेशान है, जिसे लेकर उनके द्वारा कई बार नगर परिषद में शिकायत दर्ज भी कराई जा चुकी है, लेकिन नगर परिषद के लापरवाही की सजा कॉलोनी वासियों रोज भुगतनी पड़ती है। नगर परिषद के कर्मचारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। समस्या के समाधान की जगह हर बार सिर्फ समस्या के समाधान का आश्वासन ही प्राप्त होता है।

झगरहटा विद्यालय में छात्रों को बांटी गई स्कूटी

शहपुरा

मध्यप्रदेश राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और 10वीं, 12वीं के छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न योजनाएं शुरू की थी। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्कूटी और लैपटॉप दिया जाता है। आज हम आपको इन्हीं योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देने जा रहे हैं। मध्यप्रदेश राज्य के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव राज्य में पहले से संचालित योजनाओं को बंद नहीं कर रहे हैं।

इसके लिए उन्होंने हाल ही में हुए आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की थी कि जिन योजनाओं से लोगों को फायदा होगा, ऐसी योजनाओं को बंद नहीं किया जाएगा। अब कक्षा 10वीं और 12वीं के होनहार छात्रों को मोहन यादव लैपटॉप और स्कूटी वितरित करेंगे। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झगरहटा विकासखंड शहपुरा में सत्र 2023- 24 कक्षा 12वीं में अध्यनरत छात्र-छात्राओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रावासी छात्र प्रमोद मरावी एवं छात्र गीता धुर्वे को शासन द्वारा मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत स्कूटी प्रदान की गई छात्र एवं छात्राओं द्वारा शासन की इस योजना से लाभ प्राप्त कर अत्यधिक प्रसन्न हुए इस अवसर पर संकुल प्राचार्य नेमचंद झरिया, गणेश प्रसाद चंदेल नारायण प्रसाद झारिया ,कृष्ण कुमार सोनी छात्रावास अधीक्षक , राजकुमार पाल एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

झारिया समाज का वार्षिक सामाजिक सम्मेलन आज

डिंडोरी सहित अन्य जिलों से झारिया समाज के वरिष्ठ जन होंगे सम्मिलित

शहपुरा

झारिया कल्याण संघ जबलपुर के तत्वावधान में मेहरा समाज का वार्षिक सामाजिक सम्मेलन आज 23 मार्च को होगा। यह सम्मेलन रविवार को सुबह 10 बजे से मानस भवन ऑडोटोरियम जबलपुर में होगा। सम्मेलन के दौरान युवक-युवतियों के तय हो चुके विवाह दहेज रहित सम्पन्न होंगे। विवाह योग्य युवक-युवतियों द्वारा स्वयं का मंच से परिचय दिया जायेगा। इसके अलावा बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं, 12वीं और उच्च कक्षाओं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पदक देकर सम्मान किया जाएगा।वरिष्ठजनों का सम्मान भी होगा। समाज की विभिन्न क्षेत्रों की मेधावी विद्यार्थियों का प्रशस्ति पत्र एवं पदक से किया जाएगा सम्मान प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जायेगा। झारिया कल्याण संघ जबलपुर के डा.एन.पी. झारिया, गनेश सिंह झारिया, संतोष मेहरा, संतोष झारिया, अजय झारिया, गोपाल खांडेल, मथुरा प्रसाद झारिया, भगवत प्रसाद झारिया, भीकम झारिया, मथुरा प्रसाद झारिया, अंकित झारिया, रजनीकांत झारिया, हरि मेहरा, डॉ आर, एम झारिया, पुष्पा झारिया, बलराम झारिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्वजातीय बन्धुओं से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पधारकर सम्मेलन को सफल बनाने कहा है। इस माह सम्मेलन कार्यक्रम में डिंडोरी जिला की झरिया समाज की वरिष्ठ जन होंगे सम्मिलित।

आबकारी विभाग की कार्यवाही में अवैध शराब के 8 प्रकरण कायम

जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन व विक्रय के रोकथाम हेतु 21/03/2025 को आबकारी विभाग वृत्त समनापुर में अवैध शराब रखने व बिक्री संबंधी प्राप्त शिकायतों के आधार पर दबिश कर कार्यवाही की गई। जिसमें आरोपी मनराज ग्राम मेरमाल से 6 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, आनंद सिंह ग्राम आमाटोला से 12 पाव देशी मदिरा प्लेन, महेश कुमार ग्राम आमाटोला से 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, दुर्गेश कुमार ग्राम चौबीसा से 5 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, शिववती बाई ग्राम चौबीसा से 4 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, गायत्री बाई ग्राम चौबीसा से 4 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, संतोषी बाई ग्राम ओझाटोला से 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, धनिया बाई ग्राम जमुनिया से 6 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब बरामद किया गया। जिसकी कुल मात्रा 39 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब और 2.16 बल्क लीटर देशी मदिरा प्लेन बरामद, शराब की अनुमानित कुल कीमत 8640/- रुपए है। उक्त सभी प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) "क" तहत पंजीबद्ध किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी एम.आर. उइके के मार्गदर्शन में आबकारी उप निरीक्षक सम्हर सिंह धुर्वे, आबकारी आरक्षक राम भरोस

विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में विकासखंड के अलग-अलग स्थानों पर विविध जन जागरूकता कार्यक्रम हुए संपन्न

अमरपुर।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार 22 मार्च को विश्व जल दिवस के अंतर्गत अमरपुर विकासखंड के सेक्टरों में विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुए। जिसमें ग्राम डुंडीसरई बेल नाला में कच्चा अस्थाई बांध का निर्माण, ग्राम बटिया में जल संगोष्ठी कार्यक्रम, ग्राम आमगांव में जल संगोष्ठी एवं जल स्रोतों की साफ सफाई, भाखा रैयत में जल स्रोतों की साफ सफाई तथा देवनाला में जल संगोष्ठी एवं जल संरक्षण के अंतर्गत बोरी से गेट बंद किया गया। सभी स्थानों में जल संगोष्ठी के माध्यम से उपस्थित ग्रामवासियों को जल के महत्व एवं उसका सदुपयोग और जल के दुरुपयोग के परिणाम को बताते हुए जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए जल स्रोतों के संरक्षण, अधिक से अधिक मात्रा में पौधारोपण, शोक पीट निर्माण, मेड बंधान, तालाबों का निर्माण कर जल को रोका जा सकता हैं।तथा पेड़ों की कटाई को रोकना, पॉलिथीन का उपयोग कम करने को कहा गया। जिससे प्रकृति संतुलित रहे और आने वाले समय में जल संकट को कुछ हद तक टाला जा सके। उपरोक्त कार्यक्रमों में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अमरलाल धुर्वे तथा डुंडीसरई सरपंच श्रीमती सुशीला मरावी, भाखा माल सरपंच देवेंद्र साण्डया तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के मैटर्स मनोज कुमार तंतुवाय, अशोक कुमार यादव, लाल सिंह ठाकुर, तिलक सिंह सैयाम, राधेश्याम वनवासी तथा नवांकुर संस्थाओं से राकेश कुमार मरावी, गणेश केवर्ट, अरविंद यादव, श्याम सिंह धुर्वे, धोबी सिंह

तो कब तक संचालित होता रहेगा मेसर्स बालाजी स्टोन क्रेशर

क्लोजर रिपोर्ट के मायने बताने प्रशासनिक अमला अब तक रहा नाकाम

अनूपपुर। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा ग्राम पंचायत दोनिया में संचालित मेसर्स बालाजी स्टोन क्रेशर में अनियमितता पाये जाने पर पहले जवाब तलब किया गया। संतुष्टि पूर्ण जवाब नही मिलने पर क्रेशर के संचालन को बंद कराये जाने को लेकर निर्देश जारी किये गये है, आदेश 07.08.2023 में दिये गये थे जिसका पालन आज दिनांक तक नही हो सका है। ऐसे में यह पत्र महज दिखावा बन कर रह गया है जबकि पत्र में उल्लेखित करते हुये डिविजनल इंजीनियर म.प्र. पूर्व क्षेत्र वितरण कंपनी लिमिटेड को निर्देशित किया गया था कि उक्त स्टोन क्रेशर की विद्युत सप्लाई तत्काल प्रभाव से अवरूद्ध कर दी जाये लेकिन पालन का न होना स्वतः निर्धारित करता है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का यह पत्र महज दिखावा बना हुआ है।

कब होगी कार्यवाही

म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा 7.08.2023 को अपने पत्र क्रमांक 1292 में क्षेत्रीय अधिकारी संजीव मेहरा द्वारा हस्ताक्षरित आदेश दिया था जिसे जिला कलेक्टर अनुविभागीय अधिकारी एवं खनिज अधिकारी को सूचनार्थ बातें कही गई थी वहीं विद्युत वितरण

कंपनी को निर्देशित किया गया था कि उक्त क्रेशर का संचालन तत्काल रूकवाया जाये तब से लेकर आज तक बेखौफ क्रेशर का संचालन चल रहा है। समाचार पत्रों के माध्यम से जब यह मामला उजागर हुआ तब राजस्व अमले के तहसीलदार व उनके अधीनस्थ कर्मचारी संचालित स्टोन क्रेशर का मुआयना करने पहुंचे किन्तु कार्यवाही क्या हुई वह उजागर नही की गई है। इधर विद्युत वितरण कंपनी का कहना है कि विद्युत प्रवाह अवरोध कराये जाने के लिये राजस्व व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अमला उक्त स्थल में मौजूद रहना चाहिये जिसके लिये यह विभाग पत्र भी जारी कर चुका है।

समय पर बिल भुगतान के कारण अटकी कार्यवाही

डिविजनल इंजीनियर म.प्र. पूर्व क्षेत्र कंपनी लिमिटेड जिला अनूपपुर की ओर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का निर्देशित पत्र में कहा गया था कि उक्त स्टोन क्रेशर ईकाई के विद्युत कनेक्शन विच्छेद कर सूचित करें किन्तु न तो विद्युत विभाग द्वारा विच्छेदन किया गया और न ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ही विद्युत विभाग से जानकारी मांगी गई इधर विद्युत विभाग से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि जब तक राजस्व का अमला व म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अमला संचालित स्टोन क्रेशर में हमारे विभाग के साथ उपस्थित नही रहेगा तब तक विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही करना कठिन बना रहेगा दूसरी तरफ यह स्टोन क्रेशर उपयोग की गई विद्युत का भुगतान समय समय पर लगातार करता आ रहा है।

संचालन में नियमों की अनदेखी

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा स्टोन क्रेशर संचालक को अपने पत्र के माध्यम से कहा गया कि इकाई का संचालन तत्काल बंद किया जाये वहीं संबधित विभागों को आपूर्ति बधित करने के निर्देश भी दिये गये साथ ही कारण बताते हुये कहा गया कि उक्त स्टोन क्रेशर इकाई परिषर में पर्यावरण नियमों की अनदेखी की गई जिसमें क्षतिग्रस्त विंड ब्रेकिंग बेरियर की मरम्मत के साथ जीरो डस्ट व महीन डस्ट के परिवहन करने वाले कन्वेयर के ड्रॉप डाउन बिन्दुओं का कवर्ड नही किया गया है एवं प्यूजिटिव डस्ट उत्सर्जन हेतु स्क्रीन सेक्सन का खुला होना वृक्षारोपण व साइड कवर्ड का न होना को कमी बताई गई इसके अलावा भी कई कमियां संचालित स्टोन क्रेशर परिषर में देखी जा सकती हैं।

ग्रामीणों को फिर पेडों में बितानी पड़ेगी रात

वन विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली का दंश झेलेंगे प्रभावित ग्रामीण

अनूपपुर। एक अकेला हाथी विगत तीन दिनों से अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाके में विचरण करता हुआ शुक्रवार एवं शनिवार की रात धनगवां बीट के जगह से निकल कर पूरी रात कुसुमहाई, टकहुली, चांदपुर, गुवारी की सीमा मे चलते हुए आहार की तलाश में 9 ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर नुकसान करते हुए दो किसानो की फसलों को अपना आहार बनाकर शनिवार की सुबह होते ही फिर से दूसरे दिन धनगवां के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है। हाथी के विचरण को लेकर अनेको गांव के ग्रामीण हाथी के आने की सम्भावना पर पूरी रात जाग कर बिताते रहे। इस बीच कुसुमहाई के पाडाडोल मोहल्ला में निरंतर हाथी से पीड़ित दो आदिवासी परिवारों ने एक दिन पूर्व ही घर की सामग्रियों को घर के पास स्थित महुआ के पेड़ में रस्सी के सहारे चढ़ा कर रख दिया। एक दांत वाला नर हाथी विगत तीन दिन पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके से सीमा को पार करते हुए मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी इलाके में आकर ठहरा हुआ है जो दिन में जंगल में रहकर विश्राम करने बाद रात होते ही आहार की तलाश में जंगल से निकल कर ग्रामीण अंचलो में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों, खेत एवं बांड़ी में लगे एवं रखे विभिन्न प्रकार के खाने की सामग्रियों को अपना आहार बनाते हुए सुबह होने के पूर्व फिर से जंगल में विश्राम

करने चला जाता है शुक्रवार को पूरे दिन यह हाथी जैतहरी के धनगवां बीट अंतर्गत जंगल में जो ग्राम पंचायत क्योटार के राजस्व ग्राम कुसुमहाई से लगा हुआ है में विश्राम करने बाद अचानक देर रात जंगल से निकलकर कुसुमहाई गांव के पाड़ाढोल टोला जो जंगल के किनारे स्थित है में पहुंचकर वनकर्मियों एवं ग्रामीणों को देखकर दौड़ने बाद चौरसिया बाई बैगा, लाल बहादुर सिंह गोंड एवं भंवर सिंह गोंड के घरों में तोड़फोड़ कर अनाज की तलाश करते हुए खाता रहा इस बीच विगत कई वर्षों से हाथियों के आने एवं जाने का यह क्षेत्र मार्ग होने के कारण चौरसिया बाई बैगा, लाल बहादुर सिंह जो खेतों में घर बनाकर रह रहे हैं अपने खाने पीने की सामग्री को हाथी के आने की संभावना पर एक दिन पूर्व ही घर के पास महुआ के पेड़ में रस्सी के सहारे बांधकर चढ़कर सुरक्षित रख दिया था जो इस हाथी के पहुंच से दूर होने के कारण बचा रह गया हाथी कुसुमहाई के झंडीटोला निवासी श्रीमती रामवती सिंह, बाल सिंह गोंड़ के साथ टकहुली ग्राम के शोभलाल भैना, मोहन सिंह गोंड, सीताराम यादव, भवन सिंह भैना एवं नेम सिंह के घरों में तोड़फोड़ कर एवं खेतों में लगी फसलों को अपना आहार बनाते हुए देर रात गुवारी गांव की सीमा में स्थित मोजरबेयर की बाउंड्री बाल की समीप आकर कुछ घंटे व्यतीत करते हुए फिर से चांदपुर, टकहुली, कुशमहाई होते हुए सुबह होने के पूर्व धनगवां बीट के जंगल झंनडिहाईन डोंगरी के जंगल में पहुंचकर शनिवार के दिन विश्राम कर रहा है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 23 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आचार्य के अंदर आचार्यत्व दिखे

तेंदूखेड़ा। विधाभारती महाकौशल प्रान्त की योजना के अनुसार माधव ग्राम भारती की जिला स्तरीय एक महत्वपूर्ण बैठक मोहद कार्यालय मे संपन्न हुई। जिसमे जिले भर मे ग्रामीण स्तर पर संचालित 24 विद्यालयों के संयोजक एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता विक्रम सिंह चौहान जिला अध्यक्ष माधव ग्राम भारती के द्वारा की गई।विद्यालयों मे प्रवेश आगामी सत्र के लिए लक्ष्य, शिक्षा को सुगमता के साथ भैया बहनो को कैसे पहुंचाया जाये। नई शिक्षा नीति को कैसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाये इन विषयों पर चर्चा की गई। बैठक मे गोविन्द किरार जिला समन्वयक माधव ग्राम भारती अशोक बसंत खेरोनिया नीरज राय शिवदयाल खेरोनिया सहित आचार्य परिवार के सभी लोग उपस्थित रहे अतिथियों का आभार श्री गोविंद किरार के द्वारा किया गया।

रोजगार पंजीयन शिविर आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में सुरक्षा जवान व सुपरवाईजर के 500 पदों पर भर्ती के लिए पंजीयन शिविर का आयोजन विकासखंड स्तर पर किया जा रहा है। सुरक्षा जवान व सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती के लिए प्राचार्य शासकीय पीजी कॉलेज गाडरवारा में 23 मार्च को प्रातरू 10.30 बजे से सायं 4 बजे तक पंजीयन शिविर का आयोजन किया जायेगा। उक्त पदों की भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यता 10 वीं से स्नातक होनी चाहिये। साथ ही शारीरिक मापदंड, 18 से 35 वर्ष की आयु, 167.5 सेमी, 56- 90 किग्रा वजन और 80 से 85 सेमी छाती होना आवश्यक है। शेष शर्ते भर्ती अधिकारी एवं कम्पनी के मापदंड के अनुसार लागू होंगे। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मोबाइल नंबर 7706877459 व 9174995167 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

गाडरवारा में नसबंदी शिविर आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में माह मार्च 2025 में महिला एवं पुरूष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि 23 मार्च को सिविल अस्पताल गाडरवारा में महिला एवं पुरूष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुंगवानी के आमानाला के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लेखराम पिता धन्नू लाल सराठे उम्र 50 वर्ष निवासी देवनगर नया अपने पुत्र को उपचार कराने के लिये नरसिंहपुर लाया था जिसे घर वापिस जाते समय आमानाला के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा लेखराम सराठे को मृत घोषित कर दिया।

जल संरक्षण की दिलाई शपथ, रोपे पौधे

विश्व जल दिवस पर किए संवर्धन के कार्य

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शनिवार को विश्व जल दिवस पर जिले में जन अभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में परिषद की 30 सेक्टर इकाइयों में जल संरचनाओं का निर्माण, बोरी बंधान, जल संगोष्ठी, दीवार लेखन तथा सांकेतिक पौधरोपण का कार्य किया गया है। इस कार्य में नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, सीएमएम सीएलडीपी के विद्यार्थियों व परामर्शदाताओं, स्वैच्छिक संगठनों, गणमान्य नागरिकों ने अपनी सहभागिता दी। इस दौरान नागरिकों ने जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ भी ली। इसी क्रम में ग्राम चिनकी में श्री आरण्यक चिनकी में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल संरचनाओं का निर्माण किया गया। इसमें कंटूर टैंच- खंती, केटल केनाल- पग बाधा नाली और पौधों के चारों ओर थालों का निर्माण किया गया। यह कार्य मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड करेली के नेतृत्व में विकासखंड की नवांकुर संस्थायें पिपरहा, नन्हीं झामर (घूरपुर) व रमपुरा और ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिनकी, विश्व गायत्री परिवार चिनकी के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

वर्षा जल का करें संग्रहण

जल संरचनाओं के माध्यम से बर्षा जल का संग्रहण एवं भूमिगत जल संवर्धन, पौधरोपण, जल की उपलब्धता, जल की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए किया गया। यह कार्य माह मार्च, अप्रैल, मई एवं जून 2025 तक किया जाएगा। इस दौरान जिला प्रशासन व ग्राम पंचायत के सहयोग से विश्व गायत्री परिवार, श्रीगीता निकुंज आध्यात्मिक संस्थान, भारत विकास परिषद, सेवा भारती, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थायें, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम करेली एवं नरसिंहपुर के विद्यार्थियों व परामर्शदाताओं के अलावा सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक व स्वैच्छिक संगठनों सहित गणमान्य जनों की सहभागिता से कार्य होंगे।

संरक्षण एवं संवर्धन की दी जानकारी

जिला समन्वयक जन अभियान परिषद द्वारा बताया कि श्रीराम आरण्यक में स्थित विश्व गायत्री परिवार के आश्रम में जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान मौजूद प्रतिनिधियों व नागरिकों की मौजूदगी में जल के संरक्षण एवं संवर्धन की विभिन्न तकनीकियों व गतिविधियों के साथ जल की आवश्यकता और गंभीर परिस्थितियों से अवगत कराया गया। जल संरक्षण व संवर्धन के लिए वर्षा जल के संग्रहण के लिए जल संरचनाओं का निर्माण, संघन पौधरोपण, बहते जल को रोकने के लिए बोरी बंधान आदि गतिविधियों के माध्यम से कार्य किये जायेंगे। इन कार्य योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। संपूर्ण कार्य योजना व गतिविधियों में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित के लिए कहा गया।

ऊमर नदी में बनाया बोरियों का बंधान

जनअभियान परिषद द्वारा विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत बम्होरी- तिंदनी के ऊमर नदी में 98 बोरियों का बंधान किया गया। इससे भूमिगत जल में वृद्धि और ग्रीष्मकाल में पशु पक्षियों व लोगों को जल की उपलब्ध आसानी से होगी। किसानों को सिंचाई के लिए जल उपलब्ध होगा, जिससे सिंचित रकबे में वृद्धि के साथ किसानों की आय में भी बढ़ोत्तरी होगी। विश्व जल दिवस के अवसर पर श्रीराम आरण्यक चिनकी में जल संरचनाओं के निर्माण व आयोजित जल संगोष्ठी में जिला समन्वयक जय नारायण शर्मा, विश्व गायत्री परिवार व ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिनकी के उपाध्यक्ष हरिराम लोधी, सचिव मुकेश लोधी, सदस्य गुलजार लोधी, कमल सिंह लोधी, मुन्ना केवट, परशुराम नौरिया, अनुराग लोधी, नवांकुर संस्था पिपरहा के अध्यक्ष राधेश्याम मलाह, नवांकुर संस्था नन्हीं झामर के अध्यक्ष रघुनंदन लोधी, नवांकुर संस्था रमपुरा के सचिव भगवान सिंह लोधी मौजूद थे।

बाणगंगा नदी पर बनाया बंधान

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में मप्र जनअभियान परिषद की गोटेगांव विकासखंड के तत्वावधान में गोटेगांव विकासखंड के ग्राम मानेगांव स्थित बाणगंगा नदी पर 84 बोरियों का बंधान किया गया। इस कार्य में जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं के परामर्शदाताओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों व सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थियों और आम नागरिकों के सहयोग से किया गया। उल्लेखनीय है कि इस बोरी बंधान से जल का उपयोग पशु- पक्षियों, तटीय क्षेत्र की भूमि के लिए सिंचाई के लिए किया जावेगा। बोरी बंधान से भूजल स्तर में भी बढ़ोतरी होगी। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक प्रतीक दुबे ने बताया कि विकासखंड गोटेगांव में बोरी बंधान कर जल संरक्षण की पहल की गई है। इस कार्य में सभी नवांकुर संस्थाओं के सहयोग से यह बोरी बंधान कार्य संपन्न हुआ है। इस दौरान उपस्थित सभी नागरिकों ने जल संरक्षण की शपथ भी ली।

नही थम रहा अवैध रेत का कारोबार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे लंबे समय से अवैध रेत खनन का कारोबार बंद होने का नाम नही ले रहा है। रेत माफियों द्वारा प्रशासन की आंखों मे धूल झौंक कर धड़ल्ले से रेत का व्यापार हो किया जा रहा है। वही जिले में रेत का व्यापार शासन के नियमों अनुसार हो इसके लिए सरकार द्वारा विंध्य वासिनी माइनिंग कंपनी को ठेका देकर रेत उत्खनन कराया जा रहा है तथा शासन के नियमों के अनुसार खनन होने से नदियों का स्वारूप मे भी कोई प्रभाव नही पड़ेगा लेकिन जिले मे शासन के नियमों का पालन उचित ढंग नही हो रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्र में आए दिन रेत खनन किया जा रहा है। अवैध खनन को बंद कराने मे प्रशासन सफल होता नजर नही आ रहा है। जिले के महादेव पिपरिया सहित आसपास के अन्य क्षेत्रों मे नर्मदा नदी से अवैध खनन किया जा रहा है जिस पर लगाम लगाने मे जिला प्रशासन बौना साबित हो रहा है। आये दिन धड़ल्ले से उत्खनन कार्य जारी है। वही प्रशासन के पहुंचने के पूर्व ही अवैध खनन कर्ता भाग जाते है वही शासन से अधिकृत रेत खनन कंपनी द्वारा बनाए गए जांच नाकों पर विवाद कर उन्हे बंद कराने मे भी अवैध खनन माफियाओं को मुख्य योगदान है। अवैध कारोबारियों द्वारा प्रतिदिन खनन कर लगभग 40 से अधिक ट्राली रेत का खनन किया जा रहा है जिससे शासन को राजस्व की हानि हो रही है।

वैलनेस कार्यक्रम के तहत मनाया विश्व जल दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई एवं क्रीडा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वैलनेस कार्यक्रम के तहत विश्व जलदिवस मनाया गया। जिसके तहत जलसंरक्षण एवं पौधारोपण के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में विश्व जलदिवस के अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. शोभा मिश्रा वनस्पति विभाग से एवं क्रीडा विभाग से अर्पित सक्सेना क्रीडा अधिकारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जी.एस.मर्सकोले मुख्य रूप से उपस्थित रहे तथा उन्होंने जलसंरक्षण के विभिन्न उपाय एवं वर्तमान समय में जलसंकट को लेकर विभिन्न जानकारियां प्रदान की। विद्यार्थियों ने भी अपने अपने विचार रखें तथा जलसंरक्षण की संकल्पना ली तथा आसपास बेकार बहने वाली पानी को संरक्षित करने का संकल्प लिया तथा अपने आसपास घर परिवार में जल का दुरुपयोग रोकने के लिए संकल्पित हुए। इस प्रकार विश्व जल दिवस को के स्वास्थ्य संरक्षण के रूप में मनाया गया।

भविष्य में जल को संरक्षित करने का सर्वोत्तम उपाय पौधारोपण है। मंच का संचालन एनसीसी अधिकारी डॉ राजेश कुमार ठाकुर ने किया।

मां कर्मा देवी जयंती पर विविध प्रतियोगिताएं कल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। साहू समाज की मां कर्मा देवी आयोजन समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्यता एवं दिव्यता के साथ आगामी 25 मार्च 2025 को भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी जी जयंती महोत्सव धूमधाम से होटल सावित्री सिग्नेचर नरसिंहपुर में मनाया जाएगा। जयंती महोत्सव में होने वाले विविध कार्यक्रम होगा जिसमें 24 सोमवार को मेहंदी रंगोली पेंटिंग दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक फैंसी ड्रेस, डांस प्रतियोगिता दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे रखी गई है। दूसरे दिन 25 मार्च को सुबह वाहन रैली जनपद मैदान सुभाष पार्क से बाहरी रोड ,पुत्री शाला से मेन रोड होते हुए कार्यक्रम स्थल होटल सावित्री सिग्नेचर पर समापन होगा।

नहीं रही श्रीमती भगवती बाई राय

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस हाउसिंग बोर्ड शंकराचार्य वार्ड निवासी श्रीमती भगवती बाई स्व. दुर्गा प्रसाद राय की पत्नी एवं अनिल राय, अभय राय एवं दिलीप राय की माताजी एवं अर्चना राय, अल्का राय, नीतू राय की सासु मां का स्वर्गवास अस्वस्थता के चलते हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 23 मार्च को सुबह 11 बजे निजी निवास हाउसिंग बोर्ड से मुक्तिधाम नकटुआ के लिए निकलेगी।

आत्महत्या प्रताड़ना मामले में ससुर-पति दोषमुक्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्रीमती रश्मिना चतुर्वेदी ने पुलिस थाना गोटेगांव अंतर्गत ग्राम कुटरी में मृतिका ग्यारसी बाई की आत्महत्या प्रताड़ना मामले आरोपी राधेश्याम ठाकुर एवं चतुर ठाकुर को दोषमुक्त बरी कर दिया। दिनांक 27 अक्टूबर 2024 को ग्यारसी बाई का शव केसली के जंगल में फांसी पर लटका हुआ मिला था। पुलिस ने मृतिका के ससुर राधेश्याम ठाकुर और पति चतुर सिंह को मृतिका को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और आत्महत्या हेतु दुष्प्रेरित करने के अपराध में धारा 85, 108, 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत गिरफ्तार कर मामला विचारण हेतु प्रस्तुत किया था। साक्ष्य के अभाव में न्यायालय ने दोनों आरोपियों को निर्दोष बरी कर दिया।

बड़ी संख्या में एकत्रित आदिवासी समाज ने रैली निकाल कर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा । शनिवार को म.प्र आदिवासी विकास परिषद के तत्वावधान में गोंड समाज महासभा युवा प्रकोष्ठ कोयतोड गोंडवाना समाज सहित बड़ी संख्या में एकत्रित हुए आदिवासी समुदाय के लोगों ने कृषि उपज मंडी परिसर में एकत्रित होकर ना केवल सभा का आयोजन किया बल्कि एक विशाल रैली निकालकर पुतला दहन करते हुए एक ज्ञापन मुख्यमंत्री एवं पुलिस महानिरीक्षक के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार तेंदूखेड़ा को सौंपा गया। एवं मांग की गई है कि तीन दिन के भीतर उचित दंडात्मक कार्यवाही नहीं की गई तो जिला मुख्यालय पर फिर से आंदोलन किया जाएगा। तेंदूखेड़ा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए उल्लेख किया गया है कि विगत फरवरी माह में तेंदूखेड़ा में एक आदिवासी महिला को फोन पर शराब के नशे में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष द्वारा अशोभनीय बात की गई थी जिसे लेकर तेंदूखेड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी उस कार्यवाही से संतुष्ट ना होने की स्थिति में तीन मार्च को पुनः एक ज्ञापन जिला पुलिस अधीक्षक को सौंप कर आरोपी को तत्काल पकड़कर गिरफ्तार करने की मांग की गई थी लेकिन गिरफ्तार ना होने की स्थिति में शनिवार को बड़ी संख्या में एकत्रित आदिवासी समाज के विभिन्न संगठनों ने कृषि उपज मंडी परिसर में एक विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए रैली निकाल कर पुराने बस स्टैंड पर भाजपा नेता का पुतला दहन किया गया तथा कृषि उपज मंडी परिसर में पहुंच कर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।इस रैली में महिलाओं के साथ पुरुष वर्ग भी बड़ी संख्या में एकत्रित था। आयोजन की वृहदता को देखते हुए पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए थे।

आदिवासी अकेला और कमजोर नहीं

इस रैली ज्ञापन कार्यक्रम में विभिन्न अंचलों से लेकर राजधानी भोपाल तक से आदिवासी नेता एकत्रित किए थे। जिन्होंने अलग-अलग संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि आदिवासी समाज इज्जत मान सम्मान की जिंदगी जीता चला आया है प्रकृति के संरक्षण से लेकर आजादी की लड़ाई में खून बहाया है उसे अकेला और कमजोर ना समझा जाये। सरकारों ने उपयोग की वस्तु समझ लिया है तो वह भूल जाये।जब जब किसी विकास की बात होती है तो जमीनों को लेकर केवल आदिवासियों की जमीनें ही खाली क्यों कराई जाती है। आदिवासी समाज के साथ अनीति अत्याचार खत्म करो। तथा भाजपा के शासन काल में सर्वाधिक मामले आदिवासी समुदाय के साथ क्यों घटित हो रहे हैं। जिसमें नेमावर की घटना बुधनी में बैतूल जिले की युवतियों के साथ बलात्कार और हत्या सहित विभिन्न विंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।इस सभा को संबोधित किया।जिनमें शोभरन सिंह बलवीर सिंह शांतिराम कुसराम धर्मदास धुर्वे धर्मवीर सिंह एड नीरज वोइवा वीरेंद्र सिंह अशोक मर्सकोले जे एस धुर्वे राम कुमार ठाकुर डा मेहरवान सिंह छोटू इटोनिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

आज राजनीतिक दिग्गज जुटेंगे करेली में

अमर शहीद भगत सिंह की 9 फीट ऊंची प्रतिमा का होगा अनावरण

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक भारत देश की आन बान शान भारत माता के अमर सपूत वीर बलिदानी भगत सिंह की 9 फुट ऊंची अष्टधातु की प्रतिमा का अनावरण आज 23 मार्च को करेली नगर पुरानी गल्ला मंडी में सायं 5:30 बजे होने जा रहा है ।

होगा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन

इस कार्यक्रम की आयोजन समिति गुरुद्वारा सिंह सभा दशमेश सेवा समिति करेली पंजाबी साहित्य अकादमी भोपाल व समस्त नगर वासी करेली द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिसमें समस्त आम जनों से सहभागिता की अपील की गई है।

आकर्षक नाट्य प्रस्तुति

भगत सिंह के शहादत दिवस पर उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर नाट्य प्रस्तुति हरविंदर सिंह पंजाबी रंगमंच पटियाला पंजाब द्वारा प्रस्तुत की जावेगी

इनकी होगी गरिमामय उपस्थिति

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यक्रम अध्यक्ष प्रहलाद सिंह पटेल पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री मध्य प्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि दर्शन सिंह चौधरी, सांसद नर्मदा पुरम, कैलाश सोनी पूर्व राज्यसभा सांसद, जालम सिंह पूर्व राज्य मंत्री मध्य प्रदेश शासन, हरेंद्र जीत सिंह बब्बू पूर्व राज्य मंत्री मध्य प्रदेश शासन ,बृजेश राजपूत प्रधान संपादक विस्तार न्यूज भारत, श्रीमती सुशीला ममार अध्यक्ष नगर पालिका करेली, महेंद्र सिंह बोहरा उपाध्यक्ष ए आई सी सी सिख अल्पसंख्यक

विभाग ,राम स्नेही पाठक जिला भाजपा नरसिंहपुर , नरेंद्र राजपूत अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी नरसिंहपुर ,आयरन लेडी गुरमीत कौर धनई (राष्ट्रीय सदस्य गृह मंत्रालय भारत सरकार) अजीत सिंह नायर (सीटू) संभाग संयोजक पंजाबी साहित्य अकादमी,सहभागिता करेंगे।

भगत सिंह व्यक्तित्व एवं कृतित्व

भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 (अश्विन कृष्णपक्ष सप्तमी) को प्रचलित है परन्तु तत्कालीन अनेक साक्ष्यों के अनुसार उनका जन्म 27 सितंबर 1907 ई० को एक सिख परिवार में हुआ था। इनकी जन्म भूमि बंगा गांव , पश्चिमी पंजाब में है जो अब पाकिस्तान में है। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती कौर था। यह एक सिख किसान परिवार से थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई डी ए वी हाई स्कूल लाहौर से की ।

क्रांतिकारी गतिविधियों में योगदान

अमृतसर में 13 अप्रैल 1919 को हुए जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड ने भगत सिंह की सोच पर गहरा प्रभाव डाला था। लाहौर के नेशनल कॉलेज की पढ़ाई छोड़कर भगत सिंह ने भारत की आजादी के लिए नौजवान भारत सभा की स्थापना की थी।

वर्ष 1922 में चौरी-चौरा हत्याकांड के बाद गाँधी जी ने जब किसानों का साथ नहीं दिया तब भगत सिंह बहुत निराश हुए। उसके बाद उनका अहिंसा से विश्वास कमजोर हो गया और वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि सशस्त्र क्रांति ही स्वतंत्रता दिलाने का एक मात्र रास्ता है। उसके बाद वह चन्द्रशेखर आजाद के नेतृत्व में गठित हुए गदर दल के हिस्सा बन गए। काकोरी काण्ड में राम प्रसाद 'बिस्मिल' सहित 4 क्रान्तिकारियों को फाँसी व 16 अन्य को दी गई कारावास की सजाओं से भगत सिंह इतने अधिक उद्विग्न हुए कि चन्द्रशेखर आजाद के साथ उनकी पार्टी हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़ गए और उसे एक नया नाम दिया हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन। इस संगठन का उद्देश्य सेवा, त्याग और पीड़ा झेल सकने वाले नवयुवक तैयार करना था।

भगत सिंह ने राजगुरु के साथ मिलकर 17 दिसंबर 1928 को लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे अंग्रेज अधिकारी जे० पी० सांडर्स को मारा था। इस कार्रवाई में क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आजाद ने उनकी पूरी सहायता की थी। क्रान्तिकारी साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर भगत सिंह ने वर्तमान नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश भारत की तत्कालीन सेण्ट्रल एसेम्बली के सभागार संसद भवन में 8 अप्रैल 1929 को अंग्रेज सरकार को जगाने के लिये बम और पर्चे फेंके थे। बम फेंकने के बाद वहीं पर दोनों ने अपनी गिरफ्तारी भी दी।

भगत सिंह ने ब्रिटिश सरकार के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई और भारत की आजादी के लिए संघर्ष किया उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ खुले तौर पर विद्रोह किया उनका नारा इंकलाब जिंदाबाद बहुत प्रसिद्ध हुआ ।

शहादत

भगत सिंह को 23 मार्च 1931 को ब्रिटिश सरकार ने उनके क्रांतिकारी गतिविधियों के कारण फांसी पर चढ़ा दिया था । उन्हें राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी दी गई थी भगत सिंह को उनके इस महान क्रांतिकारी योगदान के लिए शहीद ए आजम की उपाधि से विभूषित किया गया था भगत सिंह को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महत्वपूर्ण नेता के रूप में याद किया जाता है उनकी शहादत ने भारत के लोगों को स्वतंत्रता के लिए प्रेरित किया । आज भी लोग उन्हें याद करते हैं और उनके राष्ट्रवादी विचारों से प्रेरणा लेते हैं ।